GD GOENKA SCHOOL

Thrive. For Life.

(Under The Aegis of GD Goenka Group)

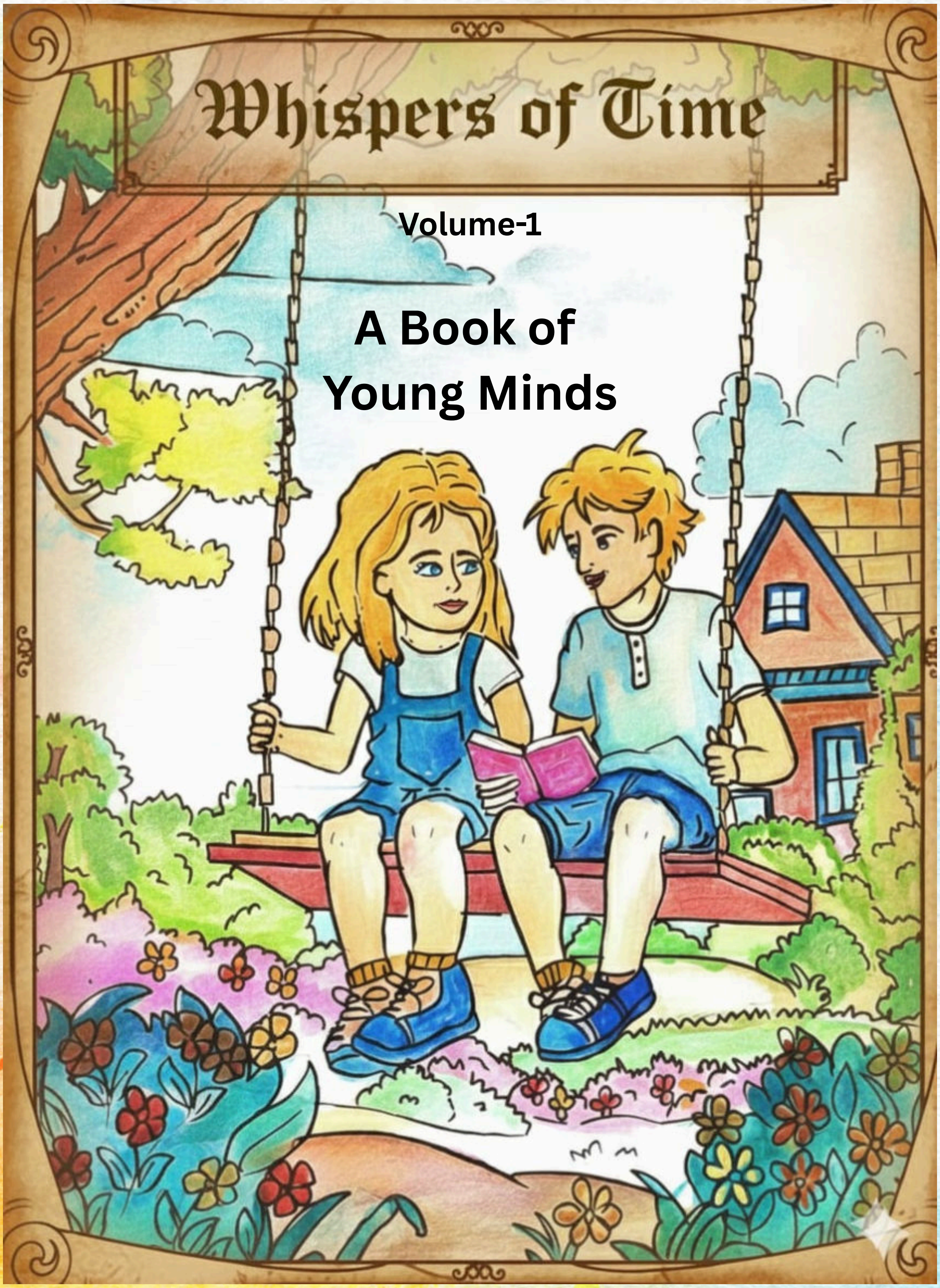

2025

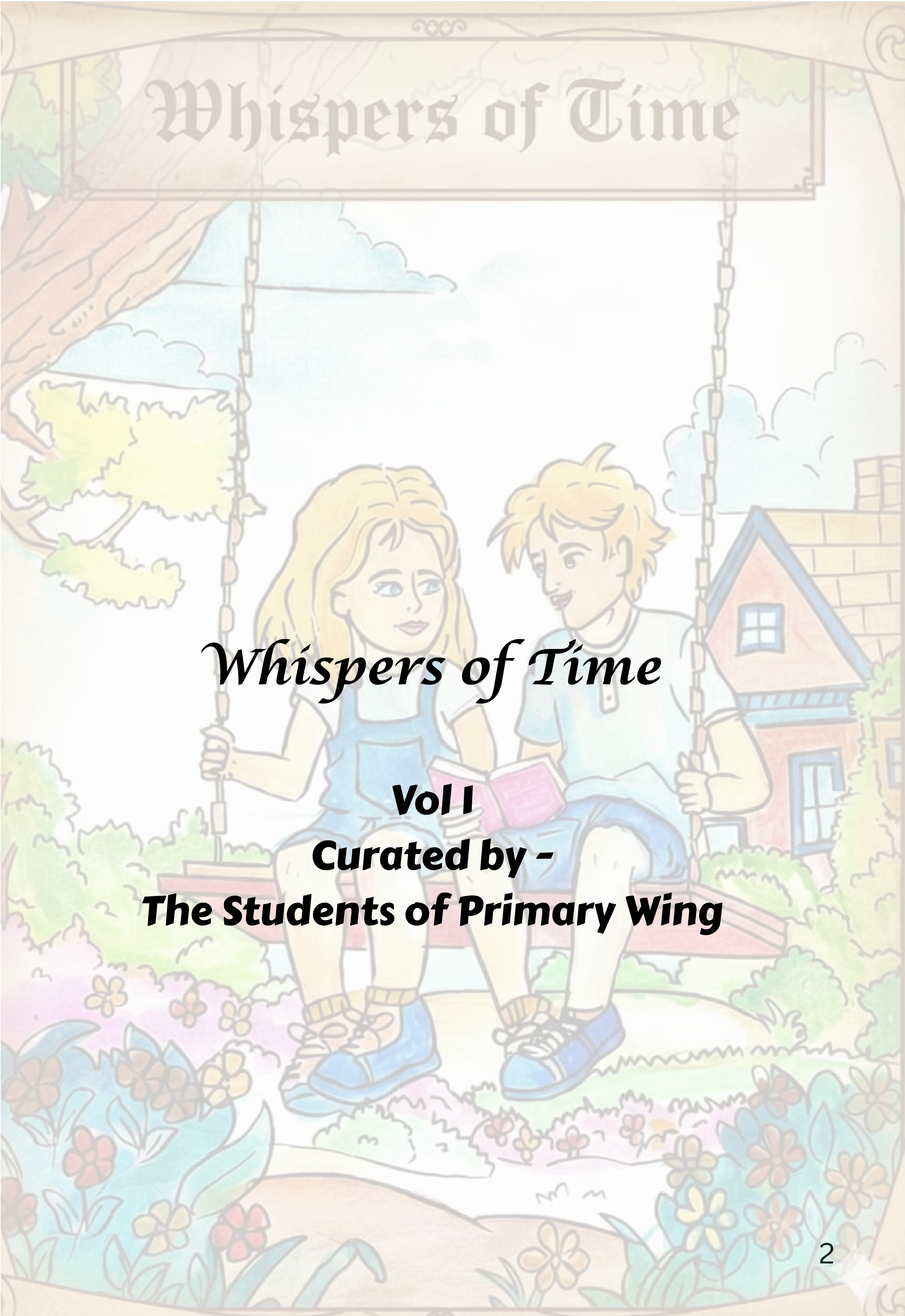

Whispers of Time

Vol I

Curated by -

The Students of Primary Wing

This magnificent storybook belongs to

....

From Editor's Pen

Message from the English and Hindi Department

Dear Young Readers

It gives us immense joy to present this wonderful collection of stories and poems written by our talented students of Grades III to V. Each book page reflects your imagination, creativity, and the joy of self-expression. From tales of friendship and courage to poems that sparkle with emotions, your writings show how beautifully words can paint pictures in our minds.

हमारे नन्हे लेखकों की यह किताब उनकी सोच, कल्पना और मेहनत का एक शानदार उदाहरण है। हर कहानी और कविता यह दर्शाती है कि बच्चों के मन में कितनी गहराई और संवेदनाएँ छिपी होती हैं। हमें गर्व है कि हमारे विद्यार्थियों ने इतनी छोटी उम्र में अपनी भावनाओं को शब्दों में ढाला है।

We hope this book inspires you to keep reading, writing, and most importantly, dreaming. May your words continue to shine bright and touch every heart that reads them.

Best Wishes !

– Primary English & Hindi Department

INDEX

No	Expressions	Author	Page no
1	Friendship Bracelet	Ayan Singh	7
2	संगति का प्रभाव	हेयांश सिकरी	8
3	समय	ओजस्वी	8
4	Sikkim Diaries	Araina	9
5	Cute Whale	Fauzul Kabir	9
6	दया का छोटा-सा काम	हितांश गोस्वामी	10
7	The Moving Hat	Agam Vashisth	11
8	My Wishful Dreams	Adrit Suri	11
9	पश्चिम बंगाल: संस्कृति और स्वाद का संगम	मायरा सिंह	12
10	The Two Sisters	Nandini Malhotra	13
11	मेरे आदर्श – कैप्टन विक्रम बत्रा	उपांशु	14
12	The Secret of the Whispering Woods	Hitansh Goswami	15
13	मनन की सच्ची जीत	रिशान	16
14	Spooky Adventure	Amayra Nagi	17
15	आँख के तारे	अमायरा नागी	18
16	The Lost Puppy	Banee Kaur	19
17	मेरी बुआ की शादी	अनिका वर्मा	20
18	Inside Rashtrapati Bhavan	Hitansh Goswami	21
19	स्वच्छता का गीत	शिवाय	22
20	कविता: शब्दों से परे	अयान	22
21	The Dark Forest of Ravenswood	Aarna Gupta	23
22	रणथंभौर सफ़ारी	एषणा	24

INDEX

No	Expressions	Author	Page no
23	The Fairyland	Roohani Taneja	25
24	मेहनत का फल मीठा	केनिल खोलिया	26
25	True Friends	Shaurya Kalra	27
26	एक रात की बात	वेदार्य वीर सिंह	28
27	Kicks, Courage, and a Promise!	Advik	29
28	रामू की समझदारी	रिषभ	30
29	Meajhon and the Lesson of Kindness	Riansh Wadhwa	31
30	गोपाल और मुहावरों की मस्ती	युवान	32
31	Big Space Adventure	Bhaumik Kaushik	33
32	हिंदी दिवस	चारवी मेहता	34
33	हिंदी है भारत कि शान	अनाया गहलोट	34
34	हमारा गर्व हमारी पहचान	अधृत	35
35	मेरी प्यारी भाषा: हिंदी	जैस	35
36	The Treasure Beyond Gold	Harnoop Singh	36
37	परियों की घाटी	जसमायरा	37
38	The Last Seed	Naman Maheshwari	38
39	जल बचाओ! जीवन बचाओ!	लक्षित सहरावत	39
40	Nature	Samridhi Jha	40
41	The Tailor and the Butcher	Aarna Khemariya	41
42	राजकुमारी और मोरध्वज	अन्विका जोधा	42
43	Through the Clouds to Shimla	Innaaya Mahajan	43
44	My School	Shaurya Kalra	44

Friendship Bracelet

Ayan Singh III-D

Ayaan was new in school. He didn't know anyone and felt very shy. He had his lunch alone and missed his old friends. One day, Ayaan dropped his notebook in the hallway. A kind boy named Aryan picked it up and said, "Your drawings are so cool!" Ayaan smiled. That small moment started a new friendship. Ayaan and Aryan played together every day. They laughed, told stories, and shared their snacks. Ayaan felt happy again.

One day, Aryan told Ayaan, "I'm moving to another city." Ayaan felt very sad. He didn't want his best friend to go. On the last day, Aryan gave Ayaan a nice bracelet. "This is our friendship bracelet," he said. "Even if we are far away, this will remind us of each other." Ayaan wore the bracelet every day. He missed Aryan, but he knew their friendship was strong. Real friends are never too far—they live in our hearts.

संगति का प्रभाव

हेयांश सिकरी पाँचवीं 'जी'

रोहन एक शरारती लड़का था। उसका ज़्यादा समय खेल-कूद, मौज-मस्ती करने में निकलता था। वह पढ़ाई से जी चुराता था। उसके माता-पिता उस पर इस वजह से लाल-पीले होते रहते थे, परंतु रोहन के कान पर जूँ न रेंगती थी। जब भी परीक्षा में उसके कम अंक आते तो वह अपना-सा मुँह लेकर रह जाता था। तभी रोहन की कक्षा से एक नया विद्यार्थी सचिन आया, जो पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद में भी अव्वल आता था। वह पुस्तिका में मोती जैसे अक्षर लिखता था। वह सभी अध्यापकों की आँखों का तारा बन गया था। सचिन, रोहन का अच्छा मित्र बन गया था। रोहन भी सचिन की संगति में धीरे-धीरे अच्छे अंक लाने लगा साथ ही सुंदर लेख लिखने लगा। अब उसकी गिनती भी श्रेष्ठ विद्यार्थियों में होने लगी। अब वह भी अपनी मेहनत से अपने माता-पिता के गले का हार बन गया और उसकी यह सफलता देखकर उसके माता-पिता का चेहरा खिल उठा।

समय

ओजस्वी पाँचवीं 'जी'

समय का जो रखता ध्यान,
जग में होता उसका मान।
समय को जो खोता है,
बाद में रोता रहता है।
चलता है बस चलता है।
सफल वहीं, यहाँ चलता है।
समय के साथ जो चलता है।

Sikkim Diaries

Araina IV-C

Last month, I visited Sikkim, a beautiful state in the Eastern Himalayas known for its mountains, forests, and lakes. During my trip to Gangtok, I met an old lady who told me about the Four Holy Caves, also called Phug Chen Zhi or The Caves of Great Happiness.

In the first cave, I found a riddle leading me to a forest, where another note guided me to the second cave. There, I discovered a clue about a precious ancient artefact — and soon, I found it! The next riddle led me to a unique rock in a nearby forest. It said, “Look behind you.” When I turned, I saw a snow lion holding a paper that said, “Follow me.” The snow lion led me to the last cave, where I found another artefact. It was an unforgettable adventure filled with mystery and magic in the heart of Sikkim.

Cute Whale

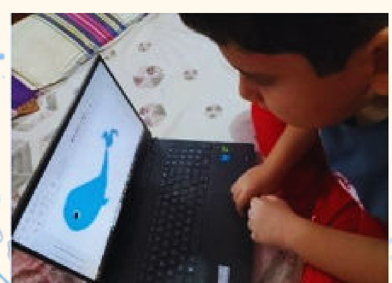

Fauzul Kabir III-F

Whale, Whale big and grey
swimming in the ocean.
Splashing water high and wide,
Cute whale, gliding with pride.

दया का छोटा-सा काम

हितांश गोस्वामी पाँचवीं 'ए'

एक ठंडी सर्द सुबह थी। रिया जब अपने स्कूल पहुँची तो उसने गेट के पास एक छोटे पिल्ले को काँपते हुए देखा। वह बहुत भूखा और डरा हुआ लग रहा था। कई बच्चे उसके पास से गुज़रे, पर किसी ने उस पर ध्यान नहीं दिया। रिया का दिल पिल्ले की हालत देखकर पसीज गया। उसने तुरंत अपना टिफ़िन खोला और प्यार से रोटी का एक टुकड़ा उसे खाने को दिया। पिल्ले ने खुशी-खुशी खाना खाया और कृतज्ञता से रिया की ओर देखने लगा। उसने अपनी नन्हीं जीभ से रिया की उंगली चाटी, जैसे "धन्यवाद" कह रहा हो। रिया ने सोचा कि केवल खाना ही काफ़ी नहीं है। उसने अपना एक अतिरिक्त स्कार्फ निकाला और पिल्ले को लपेट दिया, ताकि उसे ठंड न लगे। स्कूल से लौटकर रिया ने यह घटना अपने माता-पिता को सुनाई। वे भी बेटी की दया देखकर बहुत प्रभावित हुए और पिल्ले को घर ले जाने के लिए तैयार हो गए। अब वह प्यारा पिल्ला उनके परिवार का हिस्सा बन गया। रिया ने उसका नाम रखा – "स्नोई"। उस दिन से स्नोई हर समय रिया के साथ रहने लगा। वह खेलों में उसका साथी बना और परिवार में खुशियाँ भर दीं। स्कूल में जब बच्चों और शिक्षकों को यह बात पता चली, तो सबने रिया की दया और संवेदनशीलता की खूब प्रशंसा की।

संदेश:

"सच्ची दया केवल शब्दों से नहीं, बल्कि छोटे-छोटे अच्छे कार्यों से प्रकट होती है। एक छोटा-सा दयालु कदम भी किसी के जीवन में बड़ी खुशी ला सकता है।"

The Moving Hat

Agam Vashisth V-G

There was a hundred-kilo man doing yoga on a mat,
He wanted to get slim as he was very fat,
Sitting beside him was Jolly, his little cat,
It was all serene with breeze and dawn light,
Jolly glanced around. Something was not right.
It was perplexing, as she saw a moving hat,
The man commanded Jolly with a gentle pat,
Jolly made a run and pounded on the hat,
Her claws tore it open to find a little naughty rat.

My Wishful Dreams

Adrit Suri V-G

I want to drive a BMW,
I want to live up in the sky,
I want to live and never die.
I want a puppy or a bunny,
I want to fly where eagles fly,
I want to have a fish that never cries.
I want to eat bacon at my place,
I want to soar beyond the sky,
And then I want to play in outer space.

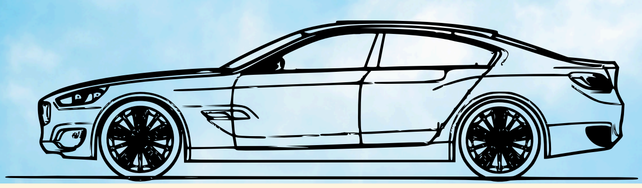

पश्चिम बंगाल: संस्कृति और स्वाद का संगम

मायरा सिंह पाँचवीं 'ए'

भारत के पूर्वी भाग में स्थित पश्चिम बंगाल एक सुंदर और बड़ा राज्य है। यहाँ की धरती हरियाली से ढकी हुई है। ऊँचे-ऊँचे पेड़, हरे-भरे पौधे और बहती नदियाँ मन को बहुत भाती हैं।इस राज्य की राजधानी कोलकाता है, जो दक्षिण-पूर्व दिशा में बसा है। उत्तर दिशा में दार्जिलिंग, सिलीगुड़ी, मालदा और कालिमपोंग जैसे जिले हैं। यहाँ से ऊँचे पहाड़ दिखाई देते हैं, जो सिक्किम की सीमा तक पहुँचते हैं। दक्षिण में हल्दिया, नंदकुमार और महीषादल जैसे नगर हैं, जो समुद्र बंगाल की खाड़ी से जुड़े हैं।यहाँ के लोग मीठी बांग्ला भाषा बोलते हैं। अधिकतर लोग मछली पकड़ने, जहाज़ बनाने, खदानों में काम करने और खेती-बाड़ी से अपना जीवन चलाते हैं।

बंगाल का खाना बहुत मशहूर है। यहाँ की बिरयानी, रोल्स और पुचका (गोलगप्पे) सभी को बहुत पसंद आते हैं। मिठाइयाँ तो यहाँ की पहचान हैं—रोसोगुल्ला, संदेश और मिष्टी दोई हर किसी का मन मोह लेते हैं।पश्चिम बंगाल में त्योहार भी बड़े धूमधाम से मनाए जाते हैं। खासकर दुर्गा पूजा और काली पूजा। इस समय महिलाएँ सफ़ेद साड़ी पर लाल किनारी पहनती हैं और पुरुष पारंपरिक धोती-कुर्ता। पूरा राज्य उत्सव और भक्ति के रंग में रंग जाता है।यहाँ एक प्रसिद्ध स्थान दीघा भी है, जहाँ समुद्र के किनारे सुंदर मंदिर बने हैं। यहाँ लोग भगवान के दर्शन करने और सैर-सपाटे के लिए दूर-दूर से आते हैं। पश्चिम बंगाल प्रकृति, संस्कृति और स्वाद का अनोखा मेल है। अगर हम सब मिलकर अपने देश को प्रदूषण से बचाएँ, तो भारत सचमुच 'हरियाली का स्वर्ग' बन सकता है।

The Two Sisters

Nandini Malhotra IV- G

Everyone is special in their own way, like flowers that bloom differently but are all beautiful.

Once upon a time, two sisters named Sunny and Luna lived in the town of Slendya. Both had magical powers — Sunny could control the Sun, and Luna could control the Moon. The townspeople loved Sunny more because they enjoyed bright sunny days, which made Luna feel invisible and unloved.

Hurt by the unfairness, Luna ran away one night and reached a forest. She struggled to survive until she met her lost pet rabbit, Riya, who reminded her that she was unique and beautiful in her own way. Meanwhile, people in Slendya suffered without the Moon. They could not rest and fell ill. Realizing her mistake, Sunny set out to find Luna. When she finally did, she showed Luna how the town was suffering. Touched, Luna returned and raised the Moon again. From that day, she was no longer seen as the "invisible sister" but as the saviour of Slendya.

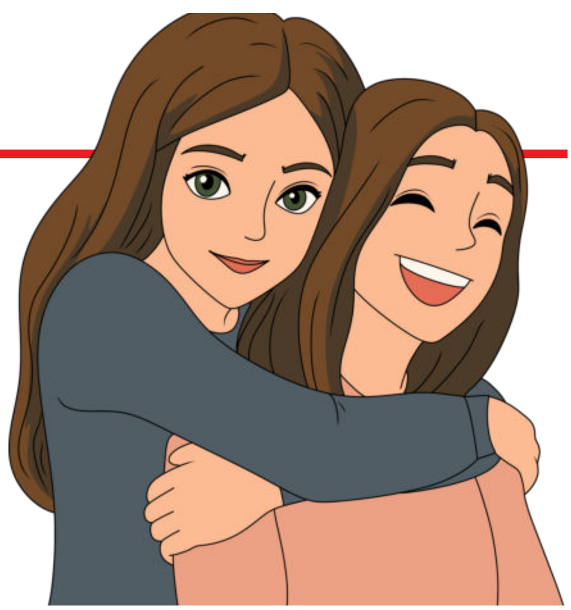

मेरे आदर्श – कैप्टन विक्रम बत्रा

उपांशु शर्मा   पाँचवीं ‘इ’

मेरे आदर्श- कैप्टन विक्रम बत्रा हैं। वे हमारे देश के बहुत ही बहादुर सैनिक थे। कारगिल युद्ध में उन्होंने पहाड़ों पर चढ़कर दुश्मनों से डटकर मुकाबला किया। उनका नारा था– “ये दिल माँगे मोर!” यह सुनकर हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। उन्होंने अपने प्राणों की परवाह किए बिना देश की रक्षा की और परमवीर चक्र प्राप्त किया। कैप्टन विक्रम बत्रा से हमें सिखने को मिलता है कि हमें हमेशा साहसी और सच्चा रहना चाहिए। वे हमें बताते हैं कि देश के लिए बलिदान देना सबसे बड़ा काम है। मैं भी बड़ा होकर उनके जैसा देशभक्त और निडर बनना चाहता हूँ। उनकी कहानी हमें यह सिखाती है कि अगर दिल में देशप्रेम हो, तो कोई काम मुश्किल नहीं।

सीख: कैप्टन विक्रम बत्रा सच्चे वीर थे।

हमें भी उनके जैसे बहादुर और ईमानदार बनना चाहिए।

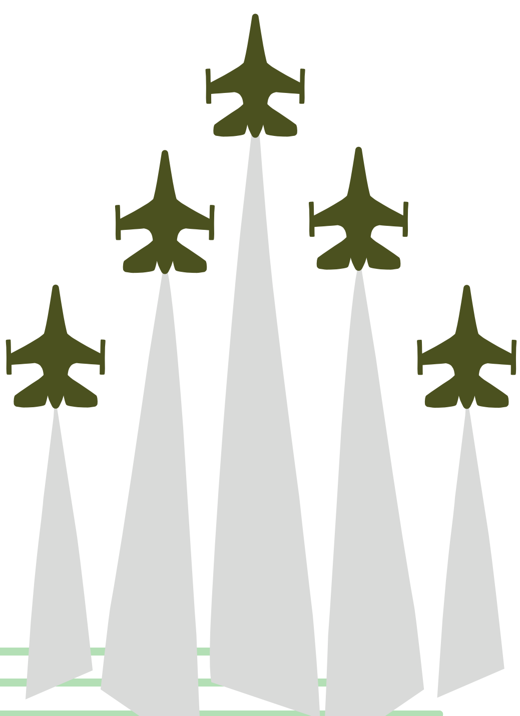

The Secret of the Whispering Woods

Hitansh Goswami V-A

On a bright Saturday morning, best friends Anya and Kabir went on a picnic near the Whispering Woods. They had heard stories that the trees whispered secrets to kind-hearted children.
They heard a soft rustle in the leaves as they played hide and seek. Suddenly, Kabir tripped and found a small box buried under the tree roots. Inside was a note that said, "Kindness unlocks magic."

Just then, they heard a bird chirping sadly. Its wing was hurt. Anya gently picked it up and wrapped it in her scarf. The moment they helped the bird, the trees began to whisper. "Thank you, kind ones," the wind seemed to say. In a flash of light, the box turned into a glowing pendant. The note now read, "Your kindness has awakened the forest's magic. Use it to help others." From that day on, Anya and Kabir visited the woods often, helping animals and keeping the forest clean.

मनन की सच्ची जीत

रिशान   तीसरी 'डी'

मनन पाँचवीं कक्षा का छात्र था। वह बहुत मेहनती और दयालु लड़का था। एक दिन उसने देखा कि उसके मोहल्ले का एक बच्चा पढ़ाई करना चाहता है, पर उसके पास न किताबें थीं, न कॉपियाँ।
मनन का मन भर आया। उसने अपने दोस्तों से बात की। सबने मिलकर अपनी छोटी-छोटी बचत से पैसे इकट्ठे किए और उस बच्चे के लिए किताबें ले आए। फिर मनन और उसके दोस्तों ने तय किया कि वे उसे पढ़ाएँगे भी। हर दोस्त हफ़्ते में एक दिन उसकी क्लास लेता। धीरे-धीरे वह बच्चा पढ़ाई में बहुत अच्छा हो गया।

कुछ सालों बाद मनन के पापा की नौकरी दूसरी जगह लग गई। मनन ने जाते समय उस बच्चे से कहा, "तुम मेहनत करते रहना, यही असली जीत है।" वक़्त बीतता गया। मनन बड़ा होकर एक इंजीनियर बना और अपनी नौकरी में खूब अच्छा काम करने लगा। वही गरीब बच्चा भी पढ़ते-पढ़ते बहुत बड़ा अफ़सर बन गया। वह ज़िला कलेक्टर बन गया। एक दिन मनन अपने काम के सिलसिले में ज़िला कलेक्टर से मिलने गया। जैसे ही कलेक्टर ने मनन को देखा, वह तुरंत अपनी कुर्सी से खड़ा हो गया। उसकी आँखों में चमक थी।
उसने कहा "मनन भैया, आज मैं जो कुछ भी हूँ, आपकी उस छोटी-सी मदद की वजह से हूँ। अगर आपने मुझे किताबें न दी होतीं और पढ़ाया न होता, तो शायद मैं कभी यहाँ तक न पहुँचता। दिल से शुक्रिया।" मनन मुस्कुराया और बोला –

"मैंने तो बस शुरुआत की थी, मेहनत तो तुमने ही की है।"

Spooky Adventure

Amayra Nagi V-G

On 7th May 2025, something strange happened. I went alone to the music room at school. There was no teacher, no students — just me. The room was silent, so I began humming a tune.

Suddenly, a younger girl walked in. She was my bus friend, but something felt odd. She didn't smile or speak, just stared blankly. I said, "You can keep your bottle on the shelf," but she only picked it up and walked away silently.

The silence grew spooky. Then a boy came to keep his bag and said he'd return. Another boy peeped in and left without entering. My uneasiness deepened. Soon, a girl joined me in singing. At first, she seemed normal, but when I corrected her, her face turned expressionless—just like the first girl! More children entered, one looking even creepier, though I felt less scared as the room filled up. Then two girls, Aanya and another, came in but didn't sing. Moments later, a fight broke out between two boys, and chaos filled the room. I quickly ended the session with a prayer and the national anthem, then returned to class. Everything seemed normal again. But I still wonder... Were they real children — or paranormal ghosts?

आँख के तारे

अमायरा नागी   पाँचवीं 'जी'

राम और केशव दो बहुत अच्छे दोस्त थे। दोनों साथ-साथ पढ़ते और खेलते थे। राम पढ़ाई में तेज़ था और केशव खेलों में बाज़ीगर। एक दिन स्कूल में बड़ी प्रतियोगिता हुई, जिसमें पढ़ाई और खेल दोनों का महत्व था। राम ने सोचा, “अकेले तो मैं यह बाज़ी नहीं जीत सकता।” तभी केशव ने मुस्कराकर कहा –

“चिंता मत कर दोस्त, मैं तेरे साथ हूँ।” यह सुनकर राम का मन गदगद हो गया। दोनों ने मिलकर दिन-रात एक कर दिया। राम ने पढ़ाई की तैयारी की और केशव ने खेलों की। प्रतियोगिता का दिन आया।

राम ने दिमाग से कमाल किया और केशव ने मैदान में जान की बाज़ी लगा दी। नतीजा यह हुआ कि दोनों ने मिलकर पहला स्थान हासिल किया। स्कूल में घी के दीये जल उठे लेकिन इस खुशी के बीच राम ने देखा कि केशव थककर बीमार पड़ गया है। दरअसल उसने जीत के लिए पेट पर पत्थर रखकर मेहनत की थी। राम को यह जानकर बहुत दुख हुआ और उसने केशव की देख-भाल करना शुरू कर दिया। सब लोग कहने लगे –

“मुसीबत में जो काम आए वही सच्चा मित्र होता है।”

The Lost Puppy

Banee Kaur V-D

One rainy afternoon, 12-year-old Anne was walking home from school when she heard a soft whimper near the bushes. Curious, she stopped and peeked through the leaves. There, shivering and wet, was a tiny puppy. Anne gently picked it up, wrapped it in her scarf, and took it home. Her parents were surprised but agreed to keep the puppy until its owner was found. Anne named him Buddy and cared for him as if he were her best friend. She made some posters and went around the neighbourhood, asking if anyone had lost a puppy. After three days, an old man came to their door with tears in his eyes. “That’s my puppy!” he cried. “He ran away during the storm.” Though Anne felt sad to say goodbye, she knew Buddy belonged to his owner. The old man thanked her warmly and gave her a small bracelet with the words “Kindness Counts” engraved on it. From that day on, Anne wore the bracelet proudly and always believed that a small act of kindness can make a big difference.

मेरी बुआ की शादी

अनिका वर्मा तीसरी 'ए'

इस साल की शुरुआत में मैं अपने गाँव वाले घर गई। वहाँ मेरी बुआ की शादी थी। पूरा घर फूलों, रंग-बिरंगी लाइटों और खुशियों से भरा हुआ था। मुझे लगा जैसे हमारा घर किसी मेले या जादुई जगह में बदल गया हो। मैं अपनी बुआ से बहुत प्यार करती हूँ। जब मैंने उन्हें दुल्हन के कपड़ों में देखा तो वह सच में राजकुमारी जैसी लग रही थीं। मैं उन्हें देखकर ताली बजाने लगी और बहुत खुश हो गई। जब बारात आई तो ढोल और बैंड-बाजे की आवाज़ से पूरा आँगन गूँज उठा। दूल्हा घोड़ी पर बैठा था। मैं और मेरा छोटा भाई आयुष बारात के साथ कूद-कूदकर नाचे। सब लोग हमें देखकर हँस रहे थे और ताली बजा रहे थे। शादी के बाद सबने मिलकर मिठाइयाँ खाईं। मुझे रसगुल्ला और गुलाबजामुन सबसे अच्छे लगे। तभी मैंने दरवाज़े के बाहर कुछ गरीब बच्चों को खड़े देखा। वे चमकती लाइटों और सजावट को बड़ी उत्सुकता से देख रहे थे, लेकिन उनके पास खाने को कुछ नहीं था। उन्हें देखकर मेरा और आयुष का दिल भारी हो गया।

हम दोनों चुपके से अंदर गए और अपनी प्लेट में ढेर सारी मिठाइयाँ भर लाए। फिर धीरे-धीरे बाहर जाकर उन बच्चों को मिठाई दे दी। जब उन्होंने मिठाई खाई तो उनके चेहरे पर मुस्कान खिल उठी। उनकी आँखों में खुशी देखकर हमें भी बहुत अच्छा और संतोष मिला। ऐसा लगा जैसे हमारी छोटी-सी मदद से उनकी शाम भी त्योहार जैसी बन गई हो। वो शादी मेरे लिए किसी त्योहार से कम नहीं थी। मैंने सीखा कि शादी पूरे परिवार को जोड़ने और खुशियाँ बाँटने का सबसे अच्छा मौका होती है। यह शादी मेरे लिए बहुत खास और मज़ेदार थी। मुझे लगा कि जब सब मिलकर खुशियाँ बाँटते हैं तो मज़ा और भी बढ़ जाता है। मुझे अपनी बुआ की शादी हमेशा याद रहेगी क्योंकि यह नाच, खेल, मिठाइयों और ढेर सारी मुस्कानों से भरी हुई थी।

Inside Rashtrapati Bhavan

Eshna Jain III D

On June 3rd, my family—including my grandparents, cousins, and maternal uncle—visited Rashtrapati Bhavan with tickets booked for 12:30 PM. We quickly got ready and took a 40-45 minute taxi ride, arriving under the hot, humid sun, where we immediately put on caps and sunglasses. After noticing monkeys and peacocks at the entry, we walked into a silent, beautiful park with lush greenery before heading to the security room. We waited for our turn, signaled when the guard called my grandfather's name, Ratendra Kumar Jain, and observed pictures of past leaders like Jawaharlal Nehru and current ones like Droupadi Murmu while sitting. Once inside, a guide informed us of the Bhavan's four chambers and 340 rooms, directing us through important sections like the Ashoka Mandap, where award ceremonies are held, and the Gantantra Mandap, and we also viewed ancient handicrafts and weapons. Outside, we learned facts about the national flag's position indicating the President's presence or absence. After resting under a tree and snapping pictures, we shared snacks and enjoyed watching a squirrel eat the namkeen we sprinkled, concluding a fun and informative family trip.

स्वच्छता का गीत

शिवाय तीसरी 'जी'

चलो मिलकर सफ़ाई करें,
धरती माँ को स्वच्छ बनाएँ|
कूड़ा-कचरा अलग करें,
पेड़ लगाएँ, हरियाली बढ़ाएँ |

नदियों को साफ़ रखना है,
हवा को शुद्ध रखना है |
प्लास्टिक को कहें अलविदा,
प्रकृति को बचाना है |

हम सब एक हैं, साथ हैं,
स्वच्छ भारत का सपना साकार करें |
साफ़ सुथरा हो हर कोना,
स्वस्थ जीवन, खुशहाल जीवन |

कविता: शब्दों से परे

अयान पाँचवीं 'जी'

शब्दों से जब खेल सजता,
कविता का प्यारा रूप निकलता|
नदी-सी बहती, हवा-सी गाती,
मोरनी-सी पंख फैलाती|

हिंदी, अंग्रेज़ी या उर्दू-बंगाली,
हर भाषा में लगे निराली|
कविता के रंग हज़ारों हैं,
सबके मन को भाने वाले हैं|

कभी हँसाए, कभी रुलाए,
कभी कहानी-सी सपने सजाए|
कवि का मन जब सुर में गाए,
जीवन का सुंदर अर्थ बताए|

कभी लोरी बनकर माँ सुलाती,
कभी हिम्मत देकर राह दिखाती|
कविता है जैसे साथी हमारी,
मन को देती सीख प्यारी |

The Dark Forest of Ravenswood

Aarna Gupta V-B

Deep in the forest stood an ancient tree called the Eternal Oak. Its twisted branches looked like skeleton fingers, and its trunk was wrapped in strange, living vines. Locals avoided it, saying people who entered never returned. One stormy night, a group of friends entered the forest, laughing at the old tales. But as they neared the Eternal Oak, silence filled the air. The vine on the trunk began to move like a snake. Then came a whisper — "Welcome home." Before they could run, the vines wrapped around them. One by one, they disappeared, leaving only Sarah, who screamed as she was pulled into the darkness. The next morning, she was gone. On the tree's bark were carved the words: "I'll never leave." Even today, villagers say her screams echo through the Dark Forest of Ravenswood on stormy nights.

रणथंभौर सफ़ारी

एषणा तीसरी 'डी'

Your paragraph text

सफ़ारी वह जगह होती है जहाँ हम जंगली जानवरों और पक्षियों को नज़दीक से देखते और उनके जीवन को समझते हैं। गर्मी की छुट्टियों में मैं परिवार के साथ रणथंभौर नेशनल पार्क घूमने गई। यह राजस्थान के सवाई माधोपुर ज़िले में है। हम सुबह 5 बजे उठे और 6 बजे कैंटर में बैठकर सफ़ारी शुरू की। सबसे पहले हमने सुल्तान नामक बाघ देखा। वह बहुत शानदार लग रहा था, जैसे हमारा स्वागत कर रहा हो। गाइड ने बताया कि पूरी दुनिया में लगभग 3000 बाघ ही बचे हैं। फिर हमने एक हिरण और उसके छोटे बच्चे को देखा। मोर और हिरण तो हर जगह दिखाई दे रहे थे। सबसे खास पल तब आया जब हमने राष्ट्रीय पक्षी मोर और राष्ट्रीय पशु बाघ को एक साथ देखा। इसके अलावा हमने कई सुंदर पक्षियों को भी देखा, जैसे-इंडियन गोल्डन ओरिओल, पेंटेड स्टॉर्क, आईबिस और स्टारलिंग। सफ़र के अंत में हमने रिद्धि नामक बाघिन के बच्चे को तालाब में नहाते और खेलते देखा। यह दृश्य बहुत रोमांचक था। हमने बहुत सारे फ़ोटो खींचे, खेले और वापस आ गए।

The Fairyland

Roohani Taneja III-F

Once upon a time, there was a fairy named Tina. She lived in Fairy Land. Fairy Land was a very peaceful and magical place. Tina was a very naughty girl. She always wanted to go to the other side, but the elders said, “Don’t go there! It’s dangerous!” One day, Tina decided that she would go to the other side of Fairy Land at night. When night fell, she said to herself, “I will go to the other side of Fairy Land!” Soon, she reached the other side. “Oh, look! There’s a river,” Tina said.

A mermaid came out of the river and said, “Hi! Are you here to be my friend?”

“Yes!” Tina replied. From that day on, they became best friends, and all the mermaids and fairies became friends too.

मेहनत का फल मीठा

केनिल खोलिया   पाँचवीं 'जी'

"ईमानदारी से की गई मेहनत ही इंसान का असली धन है।"

राकेश एक गरीब लेकिन मेहनती आदमी था। वह अपने गाँव से शहर रोज़गार की तलाश में आया। सोच रहा था "अब मैं भी कुछ बड़ा करूँगा और अपना जीवन बदल दूँगा। मुझे यहाँ अपनी किस्मत बदलने का मौका ज़रूर मिलेगा।" लेकिन शहर पहुँचते ही उसकी हालत आसमान से गिरे, खजूर में अटके जैसी हो गई। न किसी को जानता, न कोई सहारा। एक दिन तो उसकी जेब भी कट गई। उसके पास खाने तक के पैसे नहीं बचे। वह इतना निराश हुआ कि उसकी हिम्मत टूटने लगी। फिर उसने खुद को संभाला और हिम्मत नहीं हारी। उसने सोचा "अगर मैं हार मान लूँगा तो जिंदगी मुझे कभी जीतने का मौका नहीं देगी।" वह छोटे-मोटे काम करने लगा। कभी चाय की दुकान पर, कभी मज़दूरी करके। धीरे-धीरे उसने थोड़े पैसे बचाए और अपनी पढ़ाई भी जारी रखी।

समय बीता, राकेश की मेहनत रंग लाई। उसे एक बड़ी कंपनी में नौकरी मिल गई। अब लोग कहते "देखो, राकेश ने तो सबको चारों खाने चित्त कर दिया।" उसने यह भी समझ लिया था कि "गलत रास्तों से सफलता पाना ऐसा है जैसे नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली। असली इज्ज़त तो मेहनत और ईमानदारी से ही मिलती है।" राकेश अब अपने गाँववालों के लिए मिसाल बन गया। सब कहते "अगर इंसान मेहनत करे और हिम्मत न हारे, तो वह अपनी तकदीर बदल सकता है।"

True Friends

Shaurya Kalra IV-F

Sudha and Jane were best friends. Both were in the tenth standard. They were excellent in their studies and were competitors for the first rank. Then tragedy struck — Jane met with an accident and lost her eyesight. Shocked by what had happened, Jane lost interest in everything. Sudha couldn't bear to see her friend like that and decided to help her. She first spoke to Jane to help her regain confidence. Then she began reading lessons aloud to her, and every evening they studied together. Both passed with distinction, much to everyone's admiration. The headmaster gave a special prize to both of them. "True friends always stand by each other in every situation."

एक रात की बात

वेदार्य वीर सिंह पाँचवीं 'जी'

वेदार्य को अपनी स्कूल की कहानी सुनना बहुत पसंद था। लेकिन एक रात, जब स्कूल में कोई नहीं था, उसे पता चला कि उसके स्कूल में कुछ अजीब और डरावना होने वाला है। शाम का समय था। स्कूल की खिड़कियों से ठंडी हवा अंदर आ रही थी, और लंबी-लंबी छायाएँ दीवारों पर हिल रही थीं। वेदार्य अकेला अपने क्लासरूम में बैठा था और उसने देखा कि उसके सामने वाली बेंच धीरे-धीरे खुद-ब-खुद हिल रही थी। वह डर के मारे जम गया। अचानक, कमरे की लाइट खुद-ब-खुद बुझ गई। वेदार्य ने अपनी टॉर्च निकाली और देखा कि क्लासरूम के दरवाज़े पर एक सफ़ेद साया खड़ा है। उसका चेहरा किसी पुराने शिक्षक जैसा था, लेकिन आँखें बिल्कुल काली थी। वेदार्य ने हिम्मत करके पूछा, "आप कौन हैं?" साया धीरे-धीरे बोला, "मैं वही शिक्षक हूँ जो यहाँ सालों पहले पढ़ाता था पर मेरी आत्मा यहाँ फँसी रह गई है, क्योंकि मैंने अपने छात्रों के लिए एक रहस्य छुपा रखा था।"

वेदार्य ने दिल की धड़कन तेज़ होती हुई महसूस की। उसने पूछा,"क्या रहस्य?" साया ने फुसफुसाते हुए कहा, "इस स्कूल के तहखाने में एक पुराना डिब्बा है, जिसमें कुछ ऐसा रखा है जिसे खोलने से यहाँ हमेशा के लिए डर गायब हो जाएगा।" वेदार्य ने अपनी हिम्मत जुटाई। वहाँ की सीढ़ियाँ चरमराई और अंधेरा इतना घना था कि हाथ को भी देखना मुश्किल था। जैसे ही उसने डिब्बा खोला, अजीब आवाज़ें आने लगीं – हँसी, रोना और चीखें। लेकिन वेदार्य ने डर को मात दी। उसने देखा कि डिब्बे के अंदर सिर्फ़ पुरानी किताबें और स्कूल के पुराने रिकॉर्ड रखे थे। साया मुस्कुराया और धीरे-धीरे हवा में घुल गया। उसने कहा, "तुमने अपनी हिम्मत दिखा दी। अब मेरी आत्मा शांति से जा सकती है।" उस रात के बाद, वेदार्य वीर सिंह की बहादुरी की कहानियाँ हर बच्चे को सुनाई जाने लगीं और स्कूल में अब कोई अजीब साया नहीं दिखा, लेकिन वेदार्य हमेशा याद रखता है कि कभी-कभी डर के सामने खड़ा होना सबसे बड़ी हिम्मत होती है।

Kicks, Courage, and a Promise!

Advik IV-E

On 11th May, I went to participate in a Taekwondo competition. The event was held at Kant Darshan School in Nangali Saraswati. We travelled there by our school bus, filled with excitement and determination. It was one of the greatest days of my life. During the match, my opponent accidentally hit me on the face. For a moment, I lost hope, but then I remembered my training and regained my confidence. I decided not to give up and continued fighting with full strength. My friends were cheering loudly for me, motivating me to keep going. Out of three rounds, I won one round. Even though I missed the gold medal by a small margin, I was proud of my effort. My coach was also cheering for me. He had full faith that I would win a medal. He is a strict but excellent coach who has taught us various blocks, kicks, and patterns. Some of them are 360-degree kick, round kick, front rising kick, inward and outward blocks, turning kick, front snap kick, middle block, down block, upper block, knife-guarding block, and patterns like the four-direction punch, Chon-Gi-Tul, and Dan-Gun. I truly enjoyed that day and learned a lot from the experience. I promised myself that next time, I will definitely win the gold medal. Till now, that day remains one of the best and most memorable days of my life.

रामू की समझदारी

रिषभ पाँचवीं 'जी'

रामू एक छोटा किसान था, लेकिन सपने उसके बहुत बड़े थे। वह अक्सर आसमान में उड़ने की बातें करता और गाँववालों की नाक में दम कर देता। खुद को सबसे बड़ा खिलाड़ी समझता और हर किसी को कान पकाए रखता। एक दिन गाँव में मेला लगा। रामू ने सोचा, "आज तो सबको दिखा दूँगा कि असली हीरो कौन है? अब मेरा सिक्का जमाने का वक्त आ गया है।" वह मंच पर चढ़ा और भाषण शुरू करने लगा लेकिन जैसे ही सबकी नज़रें उस पर पड़ीं, उसकी तो घिग्घी बँध गई। गाँववाले हँस-हँसकर ठहाके मारने लगे। रामू की हालत आसमान से गिरे, खजूर में अटके जैसी हो गई। वह मंच से उतरा तो मानो सिर पर आसमान टूट पड़ा हो लेकिन रामू ने हार नहीं मानी। उसने दिल पर पत्थर रखकर सबकी हँसी सह ली और सोचा, "अब तो मुझे मेहनत करके सबको दिखाना ही होगा।" उसने खेती-बाड़ी में दिन-रात एक कर दिया। धीरे-धीरे उसकी मेहनत रंग लाई और वह गाँव का सबसे काबिल किसान बन गया। अब लोग कहते "रामू तो मेहनत से सचमुच लोहा मनवा चुका है!"

सीख - केवल बातें बनाने से नहीं, बल्कि मेहनत करने से इंसान की पहचान बनती है। कठिनाइयाँ हमें रोक नहीं सकतीं, अगर हम उन्हें हिम्मत और समझदारी से जीत लें।

Meajhon and the Lesson of Kindness

Riansh Wadhwa IV-E

Once upon a time, in house no. 487, lived a boy named Meajhon and his mother. One day, Meajhon's mother asked him to buy some fruit. The distance from his house to the fruit market was 50 kilometres. Since there were no taxis, auto rickshaws, or rickshaws on the road, he decided to walk. When he arrived at the fruit market, he saw a big castle. Curious, he entered the castle and asked the king, "Can I become the king, please?" To his surprise, the king agreed. Meajhon became the king and started doing whatever he wanted. He enjoyed ruling the empire and soon banned everything. With Meajhon in power, the old king had no role left and became poor. Because of Meajhon's selfish decisions, the whole world started suffering.

Everything seemed perfect to Meajhon, but sooner or later, one has to repent. After ten days, a soldier came and said, "You are no longer the king and cannot rule the world."

Meajhon was worried and sad. He realised that being greedy and selfish is not the right way to live. Because of his greed, he had even forgotten about his mother. The first thing he did was buy fresh fruit, a cake, and flowers to apologise to his mother. He promised her, "From now on, I will be a good son. I will work hard to achieve my dreams — not through greed, but with kindness and honesty.

गोपाल और मुहावरों की मस्ती

गोपाल बड़ा नटखट और होशियार लड़का था। उसे हमेशा कुछ नया करने का शौक रहता था। एक दिन उसने स्कूल में टीचर से कहा,
"मैडम, मैं आज अपनी कहानी मुहावरों की मस्ती के साथ सुनाऊँगा।"
कक्षा के सब बच्चे उत्साहित हो गए।

गोपाल ने शुरू किया **"नाच न जाने आँगन टेढ़ा -** अगर हमें कोई काम नहीं आता, तो गलती जगह की नहीं, हमारी ही होती है।"
बच्चे हँस पड़े। फिर उसने कहा **"साँप भी मर जाए, लाठी भी न टूटे** यानी समझदारी से काम करो, ताकि बिना नुकसान के समस्या हल हो जाए।" अब गोपाल बोला,**"धीरे-धीरे रे मना, धीरज से सब कुछ होता है** मतलब अगर हम धैर्य रखें, तो मुश्किल काम भी आसान हो जाता है।" बच्चे ताली बजाने लगे। अंत में गोपाल ने मुस्कराते हुए कहा **"जहाँ चाह, वहाँ राह!** अगर हम ठान लें, तो हर काम मुमकिन है।" सारी कक्षा हँसते-खेलते मुहावरों का मज़ा लेने लगी। अब बच्चों को समझ आ गया कि मुहावरे न सिर्फ़ मज़ेदार होते हैं बल्कि सीखने लायक भी।

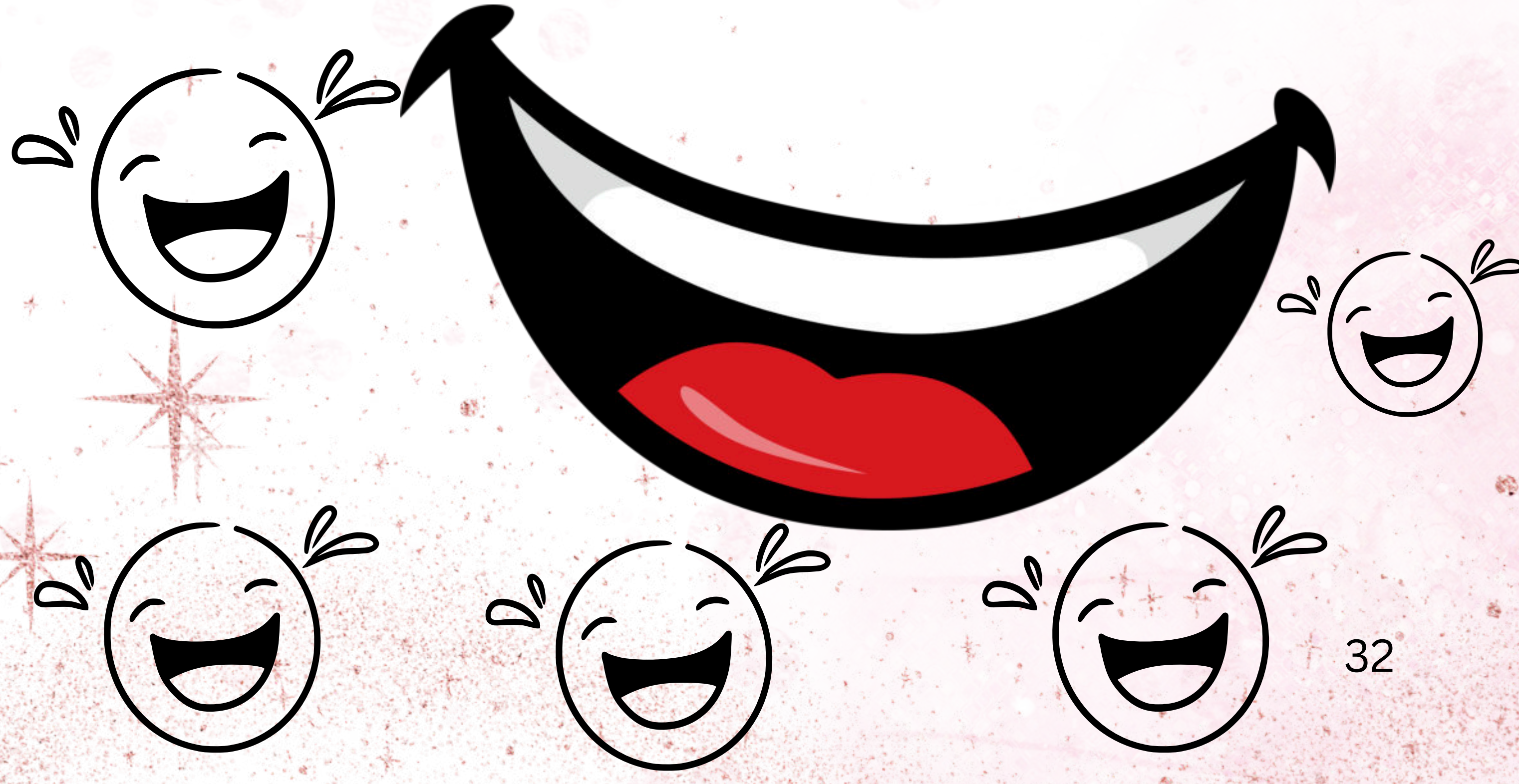

Big Space Adventure

Bhaumik Kaushik IV-A

Bhaumik is an imaginative boy who loves reading about planets, rockets, and galaxies far beyond Earth. Every night, after finishing his homework, he would lie on the terrace with his telescope, searching the skies for stars and wondering if aliens truly existed. One quiet summer night, as he peered through his telescope, a bright beam of blue light surrounded him. In a flash, he found himself inside a smooth, glowing spaceship. "Welcome, Captain Bhaumik," said a friendly robot voice. "We need your help for a space rescue mission!" Excited and a little nervous, Bhaumik nodded. The spaceship zoomed past twinkling stars, through Saturn's rings, and near fiery comets. When they landed on a distant moon, Bhaumik spotted tiny alien creatures trapped under space rocks after a meteor storm. Without hesitation, he used his wits and space tools to lift the rocks and free them. The grateful moon creatures cheered and gifted him a glowing star crystal. "You are a true hero," they squeaked. The ship flew Bhaumik back home just before sunrise. He woke up in bed, unsure if it was all a dream, until he saw the glowing crystal on his table. He smiled. His space adventure was just the beginning.

हिंदी दिवस

चारवी मेहता चौथी 'बी'

हिंदी हमारी शान है,,
संस्कृति की पहचान है।
जन-जन की भाषा प्यारी,
भारत माँ की दुलारी।
मीठी बोली, सरस भाषा,
मन की पूरी करें आशा।
ज्ञान की धारा बहे लगातार,
सदा बढ़ाए देश का गौरव ।
अलंकारों से सजी, भावों से भरी।
शब्दों का जादू है इसमें,
रत्नों का खज़ाना इसमें ।
हिंदी दिवस पर हम मिलकर,
करते इसका सम्मान
बनाएँ इसे और महान,
यह है हम सबका अभिमान

हिंदी है भारत की शान

अनाया गहलोट पाँचवीं 'इ'

हर भाषा की अपनी मिठास है,
पर हिंदी की बात कुछ खास है।
ये सिर्फ़ एक ज़ुबान नहीं,
इसमें हमारे देश का इतिहास है।
इसकी वाणी में मधुरता का अहसास है।
यह ज्ञान का सागर और
भावनाओं का प्रकाश है।

मेरी प्यारी भाषा: हिंदी

जैस पाँचवीं 'इ'

भारत की गौरव गरिमा का,
गान बने हिंदी भाषा
अंतर्राष्ट्रीय मान और सम्मान बने
हिंदी भाषा !
स्वाभिमान- सद्भाव जगाती
संस्कृति की परिभाषा हिंदी,
बने विश्व की भाषा हिंदी,
हम सब की अभिलाषा हिंदी

हमारा गर्व हमारी पहचान

अधृत चौथी 'डी'

तीन रंगों से सजा,
हमारा झंड़ा प्यारा
केसरिया वीरता बतलाए,
शांति का संदेश सफ़ेद लाए।
हरा रंग हरियाली लाता ,
चक्र मेहनत का पाठ पढ़ाए।
यह झंडा है भारत की शान,
इसकी रक्षा हमारा मान।
सपना यही हर भारतीय का प्यारा,
झंडा ऊँचा रहे हमारा।
"जय हिंद"

The Treasure Beyond Gold

Harnoop Singh V-A

Rohan and Aisha, best friends, discovered an old treasure map in Mr. Jenkins' attic. Filled with excitement, they set sail to a mysterious island in search of treasure. Midway, a fierce storm struck, but Aisha's quick thinking helped them reach safely. On the island, a family of friendly monkeys led them to a hidden cave. Inside, they found a chest filled with books, art supplies, and a note that read:
"The greatest treasure is knowledge, creativity, and kindness." Rohan and Aisha realised that the true treasure was not gold or jewels but friendship, adventure, and the lessons they learned. When they returned home, they shared the books and art supplies with their village, spreading joy and creativity. Their story became a legend, teaching everyone that the real treasure lies in kindness, learning, and the bonds we share.

परियों की घाटी

जसमायरा चौथी 'बी'

बहुत समय पहले की बात है। भारत के उत्तर-पूर्व में एक सुंदर राज्य था —सिक्किम। चारों ओर ऊँचे-ऊँचे पहाड़, हरियाली से भरी घाटियाँ, रंग-बिरंगे फूल और खुशमिजाज़ लोग, यह जगह सचमुच किसी परियों की घाटी जैसी लगती थी। एक दिन मीरा नाम की छोटी बच्ची अपने माता-पिता के साथ सिक्किम घूमने गई। जैसे ही वे गंगटोक पहुँचे, मीरा ने देखा कि वहाँ के लोग बहुत मिलनसार और हँसमुख हैं। कोई लेपचा, कोई भूटिया, तो कोई नेपाली भाषा में बात कर रहा था। मीरा को सबसे ज़्यादा मज़ा तब आया जब वह एक स्थानीय मेले में गई। वहाँ के लड़के-लड़कियाँ रंग-बिरंगी पोशाकें पहनकर मारुनी नृत्य कर रहे थे।" रंगीन झंडियाँ लहरा रही थीं और डमरू की ताल पर सब झूम रहे थे।

अगले दिन मीरा ने दूर से कंचनजंगा पर्वत देखा, जो बर्फ़ से ढका था। उसे लगा जैसे किसी ने उस पर सफ़ेद रुई बिछा दी हो। एक दिन जंगल की सैर के दौरान मीरा को एक बूढ़ी दादी मिलीं, जो लोककथाएँ सुना रही थीं। दादी ने कहा, "सिक्किम में एक रहस्यमय प्राणी रहता है — यति, वह केवल अच्छे बच्चों को ही दिखाई देता है।" मीरा मुस्कुराई और बोली, "मैं तो अच्छी बच्ची हूँ, शायद यति मुझसे मिलने आए।" अगली सुबह, खिड़की पर एक छोटी सी बर्फ़ की मूर्ति रखी थी, जिस पर लिखा था- "सदा अच्छे काम करो।"

मीरा खुशी से बोली, "सिक्किम सच में जादुई जगह है!"

The Last Seed

Naman Maheshwari V-A

Once, there was a small village surrounded by dry, cracked land. The rains hadn't come for two years, and the villagers were losing hope.
A little girl named Meera lived in that village. One day, she found a single seed in her grandmother's old box — small, brown, and almost forgotten.
Everyone laughed when she said she would plant it. "Nothing grows here anymore," they told her. But Meera planted the seed anyway, watered it with the little water she had, and spoke to it every day.
Weeks passed, and one morning, a tiny green sprout appeared. The villagers gathered around in wonder. Slowly, the sprout grew into a tall, strong tree that gave shade, fruits, and — most importantly — hope. Seeing it, the rains finally returned, as if the sky had been waiting for someone to believe again.

जल बचाओ! जीवन बचाओ!

लक्षित सहरावत चौथी 'अ'

छल-छल कर के वो कहता है,
प्यासे में वो बल भरता
इससे हैं हम सबका जीवन
जल बचाओ! जीवन बचाओ!
इससे नदियों में है कल-कल
इससे आज है इससे ही कल,
इसके बिन तो मुश्किल जीवन
जल बचाओ! जीवन बचाओ!
हर जीव का बनना इससे
धरा भी इससे, गगन भी इससे
रूप बदलता ये तो क्षण-क्षण,
जल बचाओ! जीवन बचाओ!
नहर तड़पती, नदियाँ सिसकती,
कूप सूख भूजल को तरसती,
कहती बचा लो भू पर जीवन,
जल बचाओ! जीवन बचाओ!

Nature

Samridhi Jha V-D

The nature is beautiful
The world is gorgeous.
God has blessed us
To live in this beautiful world.

We survive only from nature
Yes it is interesting I know.
The Historical and Physical subject
Are in our daily lives

Roaming around like questions in our mind.
Land was first soft but now solid
From the improvement of our days
We learn many things about nature.

I love my nature, I love my world.

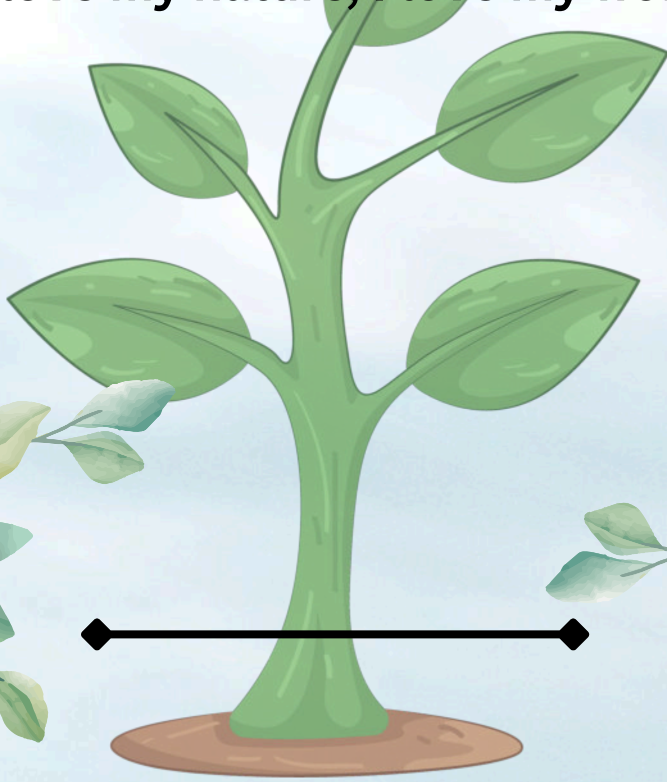

The Tailor and the Butcher

Aarna Khemariya V-G

In a small, bustling village, there lived a very wealthy tailor and a kind, but less fortunate, butcher. The tailor was known for his love of money, and people often whispered about his stinginess, especially since he never donated to the village's poor. A villager confronted the tailor, pointing out that even the butcher, with far less wealth, gave away free meat to the poor every day. The tailor simply replied, "God knows my intentions, and He is the only one who has the right to judge how I use my money". The villager, angered by his answer, spread more rumours, and the tailor's reputation worsened. When the tailor fell ill and eventually died, no one in the village mourned for him, believing him to be a cold-hearted miser. A villager confronted the tailor, pointing out that even the butcher, with far less wealth, gave away free meat to the poor every day. The tailor simply replied, "God knows my intentions, and He is the only one who has the right to judge how I use my money". The villager, angered by his answer, spread more rumours, and the tailor's reputation worsened. When the tailor fell ill and eventually died, no one in the village mourned for him, believing him to be a cold-hearted miser. The villagers were shocked to learn the truth about the tailor's secret acts of charity and realised how wrongly they had judged him.

Moral: Do not judge others or interfere in their affairs, as you may not know their true intentions or the full story behind their actions.

राजकुमारी और मोरध्वज

अन्विका जोधा पाँचवीं 'जी'

एक समय की बात है, एक शक्तिशाली राजा था जिसकी सात सुंदर बेटियाँ थीं। जब वे बड़ी हुईं, तो राजा ने पूछा, "क्या तुम्हारी सारी खुशियाँ मेरी वजह से हैं?"छह बेटियाँ बोलीं, "हाँ पिताजी।" पर सबसे छोटी बेटी ने कहा, "नहीं पिताजी, मेरी खुशियाँ मेरे अपने कर्मों से आती हैं।" यह सुनकर राजा बहुत क्रोधित हो गए और बोले, "कल सुबह जो सबसे पहले महल के द्वार पर आएगा, मैं उसी से तुम्हारा विवाह कर दूँगा।" अगली सुबह, दरवाज़े पर एक लंगड़ाता हुआ मोर आया। राजा ने वचन निभाते हुए बेटी का विवाह मोर से कर दिया। राजकुमारी दुखी होकर मोर के साथ चल पड़ी। रास्ते में भयानक तूफ़ान आया और मोर ने अपने प्राण त्याग दिए। राजकुमारी रोने लगी। तभी भगवान शिव और माता पार्वती वहाँ आए। माता पार्वती की विनती पर भगवान शिव ने मोर को जीवनदान दिया, और वह एक सुंदर राजकुमार बन गया। शिवजी ने उसे एक सुंदर राज्य का राजा बनाया 'राजा मोरध्वज'। दोनों ने प्रेम, दया और खुशी से अपना जीवन बिताया। उधर, वह शक्तिशाली राजा अपना वैभव और शक्ति खो बैठा था। उसका राज्य बर्बाद हो गया और वह एक गरीब भिखारी की तरह दर-दर भटकने लगा। एक दिन, उन्होंने एक दयालु राजा के बारे में सुना, जिसका नाम राजा मोरध्वज था, जो गरीबों की मदद करता था। मजबूर होकर वह राजा मोरध्वज के महल में भिखारियों की लंबी कतार में जा खड़े हुए।

जब वे महल में पहुँचे तो वहाँ की रानी ने तुरंत अपने पिता को पहचान लिया। उसने चुपचाप अपने सैनिकों को भेजकर उन्हें अतिथि कक्ष में बुलवाया। जब राजा वहाँ पहुँचा, तो रानी ने पूछा,"क्या आप मुझे पहचानते हैं, पिताजी? मैं आपकी बेटी हूँ, जिसने एक बार आपसे कहा था कि खुशियाँ अपने कर्मों से आती हैं।" राजा फूट-फूटकर रोने लगा। "मुझे माफ़ कर दो, बेटी, तुम सही थी।"

सीख: सच्ची खुशी हमारे अपने अच्छे कर्मों से मिलती है, न कि दूसरों पर निर्भर रहकर।

Through the Clouds to Shimla

Innaaya Mahajan Class 3B

This summer, I went on a road trip to Shimla also called the Queen of Hills with my family. It was my first visit to this beautiful hill station, and I was pretty excited. As our car went up the winding roads, I looked out of the window to see green mountains covered with trees. Soon, it started raining softly, and the cool breeze carried the smell of wet pine trees. Sometimes the clouds came so close that they passed right through our windows-it felt like driving inside the clouds! The most famous place we visited in Shimla was a temple called Jakhu Temple. It is an ancient temple dedicated to Lord Hanuman and is situated on the highest hill of Shimla, 2,455 meters above sea level. There is a huge statue of Lord Hanuman there-108 feet tall, one of the tallest in the world. When I stood near it, I felt so tiny!

My visit to Jakhu Temple was simply great. The surroundings were peaceful, the tall statue looked grand, and the mountain view was amazing. In the downhill drive, I promised myself that one day I will come again to Shimla.

My School

SHAURYA KALRA 4 F

My school is more than just a place,
It's full of joy, of love, and grace.
Each morning starts with songs so bright,
And fills my heart with pure delight.

The classroom buzzes, books in hand,
With dreams and laughter hand in hand.
Teachers guide us, kind and wise,
They help our thoughts and hopes arise.

From playground games to art and song,
The days at school are never long.
With every friend and every smile,
Learning feels so sweet and worthwhile.

When I grow up and walk away,
These memories will always stay.
My school, my heart, my guiding light-
You've made my world so warm an bright...

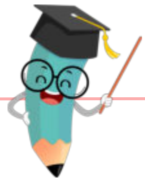

NOTES

GD GOENKA SCHOOL

DWARKA

Elephanta Lane, Behind Sector 10/6
Near Golak Dham, New Delhi-110075, India
info@gdgoenkadwarka.com
www.gdgoenkadwarka.com
- 011-47619000
FAX - 011-47619001